# अल्लाह तआला की फरमा-बरदारी के लिए माल और उम्र से मोहब्बत करने का बयान

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

**{1} तिर्मेज़ी, हज़रत अबू बकर रदी. से रिवायत है-**

खुलासा- एक आदमी ने पूछा ए अल्लाह के रसूल! कौन आदमी बेहतर है? रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया- वो आदमी जिसकी उमर लम्बी है और उसके आमाल अच्छे है. फिर उसने पूछा कौन आदमी बदतर है? आप ﷺ ने फरमाया जिसकी उमर लम्बी है लेकिन उसके आमाल बुरे है.

**{2} तिर्मेज़ी, हजरत अबू कबशा अन्मारी रदी. से रिवायत है-**

खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया- में तीन बातों के बारे में तुम्हें कसम खाकर बयान करता हूं, तुम उन्हें महफूज़ रखना -

१] किसी आदमी का माल सदके की बरकत से कम नहीं होता.

२] किसी आदमी पर जब भी जुलम होता है और वह उस पर सबर करता है तो अल्लाह तआला जुलम की वजह से

उसकी इज़्ज़त बढाते है.

३] कोई आदमी जब भी सवाल के दरवाज़े को खोलता (लोगों से माँगना शुरू कर देता) है तो अल्लाह तआला उस पर फकीरी का दरवाज़ा खोल देते है.

इसके बाद आप ﷺ ने फरमाया- ये बातें भी याद रखना कि बिला-शुब्हा दुनिया सिर्फ चार इन्सानो के लिए है -

१] वो आदमी जिसको अल्लाह तआला ने माल और इलम अता किया है, वो उसमें अपने रब से डरता है और सिला-रहमी करता है और उसमें हुकूक के मुताबिक खर्च करता है तो ऐसा इन्सान बहुत उँचे मरतबे पर है.

२] वो आदमी जिसको अल्लाह ने इलम अता किया है लेकिन उसे माल नहीं दिया, अगर ये आदमी सही नियत वाला है और कहता है कि काश मेरे पास भी माल होता तो में भी फला इन्सान की तरह खर्च करता, तब उन दोनों का सवाब बराबर है.

३] वो आदमी जिसको अल्लाह तआला ने माल दिया है और उसे इलम नहीं दिया, वो अपने माल में शरीअत के खिलाफ अमल व इख्तियार चला रहा है, वो उसमें ना अपने रब से खौफ खाता है और ना ही सिला-रहमी करता है और ना ही

माल में शरीअत के मुताबिक अमल (खर्च वगैरह) करता है, तो ऐसा आदमी बहुत बुरे ठिकाने वाला है.

४] वो आदमी है जिसे अल्लाह तआला ने माल और इलम दोनों नहीं दिए और वो कहता है काश मेरे पास माल होता तो में भी उसमें फलां इन्सान की तरह बुरे अमल करता, तो उसका ठिकाना उसकी नियत के मुताबिक है और उन दोनों का गुनाह बराबर है.

**917 3} तिर्मेज़ी, हजरत अनस रदी. से रिवायत है-**

खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया- बिला-शुब्हा अल्लाह तआला जब किसी इन्सान के बारे में भलाई का इरादा फरमाते है तो उसे नेक कामों में लगा देते है. आप ﷺ से पूछा गया ए अल्लाह के रसूल! अल्लाह तआला उसको कैसे नेक कामों में लगा देते है? आप ﷺ ने फरमाया- मौत से पहले उसे नेक अमल की तौफीक देते है.

एक हज़ार मुन्तखब हदीसे मिश्कात शरीफ से रिवायत का खुलासा.
मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.